कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (27) खण्ड -{53}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न सं 1- दिव्य बुद्धि और रूहानी दृष्टि इस दो वरदानों के सन्दर्भ में कौन सा कथन सही नहीं है ?

A- हर एक ब्राह्मण बच्चे को यह दोनों वरदान ब्राह्मण जन्म से ही प्राप्त हैं।

B- यह वरदान ब्राह्मण-जीवन का फाउण्डेशन है।

C- इन दोनों बातों के ऊपर सतयुगी राजधानी में नम्बरवार पद मिलता है।

D- इन दो बातों को सदा हर संकल्प में, बोल में, कर्म में जितना यूज़ करते है उतना ही नम्बर आगे लेते है।

प्रश्न सं 2- सूर्यवंशियों से राज्य चन्द्रवंशियों ने लिया! चन्द्रवंशियों से फिर विकारी राजायें लेते हैं, राजाओं से फिर किसने लिया ?

A- मुगलों ने

B- अंग्रजों ने

C- कांग्रेस सरकार ने

D- सल्तनतकालीन शासकों ने

प्रश्न सं 3- शिव बाबा कहते मुझे तुम्हारे धन का क्या करना है। मैं तो तुमको बादशाही देने आया हूँ, तो फिर बाबा को हमसे क्या चाहिए ?

A- 5 विकारों का दान

B- श्रीमत पर चलो

C- सर्विस करो

D- धारणामूर्त बनो

प्रश्न सं 4- बाबा किसके समान ब्रह्मचारी बनने को कहते है, जिसमें मेहनत है ?

A- अर्जुन

B- भीष्म पितामह

C- ब्रह्मा

D- मम्मा

प्रश्न सं 5- सतयुग में चलन होती ही ऊंची और रॉयल है। यहाँ तो तुमको बकरी से ..... बन्दर से ..... बनाया जाता है ?

A- देवी, देवता

B- शेरनी, देवता

C- शेरनी, मनुष्य

D- गाय, शेर

प्रश्न सं 6- जब तुम ..... बन जाएंगे तब तुम्हारे में कोई भूत नहीं रहेगा ?

A- देही अभिमानी

B- कर्मातीत

C- सम्पूर्ण निर्विकारी

D- गले का हार

प्रश्न सं 7- ..... को थोड़े ही याद किया जाता है। ब्रह्मा भी हो गया .....। याद उस शिवबाबा को ही करना है। यह ..... भी उनको ही याद करते हैं ?

A- पतित

B- दलाल

C- गुरु

D- पुरूषार्थी

प्रश्न सं 8- योग कब नहीं लगता ?

A- मुरली ना पढ़ने से

B- देह- अभिमान में रहने से

C- जब निश्चय नहीं रहता

D- विकारों में जाने से

प्रश्न सं 9- जैसे बाप से सम्बन्ध रखना आवश्यक है, ऐसे किस से सम्बन्ध रखना भी अति आवश्यक है ?

A- ब्रह्मा बाप

B- ईश्वरीय परिवार

C- लौकिक परिवार

D- सम्बन्ध - संपर्क

प्रश्न सं 10- ..... मत पर तो तुम आधाकल्प चलते हो, अब मेरी श्रीमत पर चल पावन बनो तो पावन दुनिया के मालिक बन जायेंगे?

A- मनुष्य

B- बाप

C- देहधारी

D- मन

प्रश्न सं 11- बाप कहते हैं इन साधू सन्त, महात्मा, अजामिल जैसी पाप आत्माओं का भी..... मैं आकर करता हूँ ?

A- गति

B- सद्धति

C- उद्धार

D- कल्याण

प्रश्न सं 12- संगमयुग पर ब्राह्मणों को ब्राह्मण से फरिश्ता बनना है, फरिश्ता अर्थात् ?

A- जिसका पुरानी दुनिया, पुराने संस्कार, पुरानी देह के प्रति कोई भी आकर्षण का रिश्ता नहीं।

B- डबल लाइट।

C- सम्पूर्ण पवित्र।

D- सम्पूर्ण निर्विकारी।

प्रश्न सं 13- जितना प्यार से ..... करो उतना कमाई है, ... करते-करते तुम बन्धनमुक्त हो जायेंगे ?

A- बाप को याद

B- यज्ञ की सेवा

C- पढ़ाई

D- धारणा

प्रश्न सं 14- अपने को सदा खुशी में रखने की युक्ति कौन सी अपनानी है ?

A- बाप को प्यार से याद करो

B- पढ़ाई पढ़ो और पढ़ाओ

C- अपने को सर्विस में बिजी रखो

D- विचार सागर मंथन करो

प्रश्न सं 15- सर्विस के साथ-साथ क्या जरुरी है ?

A- तपस्या

B- दैवी गुण

C- मीठा बनना

D- शुभ भावना

प्रश्न सं 16- रात को बाबा की याद में सोयेंगे तो सुबह क्या होगा ?

A- सुबह बाबा की याद रहेगी।

B- सुबह बाबा भी याद करेंगे।

C- सुबह बाबा आकर जगायेंगे।

D- सुबह बाबा आकर खटिया हिलायेंगे।

भाग (27) खण्ड {53} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1 - C. इन दोनों बातों के ऊपर सतयुगी राजधानी में नम्बरवार पद मिलता है।

आज दिव्य बुद्धि विधाता और रूहानी दृष्टि दाता बापदादा चारों ओर के दिव्य बुद्धि प्राप्त करने वाले बच्चों से कहते हैं। *हर एक ब्राह्मण बच्चे को यह दोनों वरदान ब्राह्मण जन्म से ही प्राप्त हैं*-दिव्य बुद्धि और रूहानी दृष्टि - यह बर्थ राइट में सबको मिली हुई हैं। *यह वरदान ब्राह्मण-जीवन का फाउण्डेशन है*। इन दोनों बातों के ऊपर संगमयुगी पुरुषार्थियों का नम्बर बनता है। *इन दो बातों को सदा हर

संकल्प में, बोल में, कर्म में जितना जो यूज़ करता है उतना ही नम्बर आगे लेता है।*

उत्तर सं 2 - C. कांग्रेस सरकार ने

विचार करना चाहिए कि यह सतयुग में लक्ष्मी-नारायण राजा रानी तथा प्रजा कहाँ से आये? उन्होंने राज्य कहाँ से लिया? एक दो से लेते हैं वा *सूर्यवंशियों से चन्द्रवंशियों ने लिया! चन्द्रवंशियों से फिर विकारी राजायें लेते हैं, राजाओं से फिर कांग्रेस सरकार ने लिया।*

उत्तर सं 3 - B. श्रीमत पर चलो

अब बाप कहते हैं तुम मुझे वारिस बनायेंगे तो मैं तुमको 21 जन्मों के लिए वारिस बनाऊंगा। लौकिक बच्चा तुमसे लेगा, देगा कुछ भी नहीं। यह तो फिर देते देखो कितना हैं। हाँ अपने बच्चों को भी भल सम्भालो परन्तु श्रीमत पर चलो। इस समय के बच्चे बाप के धन से पाप ही करेंगे। *यह बच्चा कहता है - मुझे तुम्हारा धन क्या करना है। मैं तो तुमको बादशाही देने आया हूँ, सिर्फ श्रीमत पर चलो।*

उत्तर सं 4 - B. भीष्म पितामह

अब बाप आकर मेल फीमेल दोनों का योग अपने साथ लगाते हैं। कहते हैं गृहस्थ व्यवहार में रहकर पवित्र बनो। यह बहादुरी दिखाओ। इकट्ठे रहते काम अग्नि न लगे. ऐसे रहकर दिखाया तो बहुत ऊंच पद पायेंगे। *भीष्म पितामह जैसा ब्रह्मचारी बनना है, मेहनत है।*

उत्तर सं.5- B. शेरनी, देवता

तुम ईश्वरीय बच्चों की चलन बहुत ऊंची चाहिए। *सतयुग में चलन होती ही ऊंची और रॉयल है। यहाँ तो तुमको बकरी से शेरनी, बन्दर से देवता बनाया जाता है।* तो हर बात में निरहंकारीपना चाहिए। अपने अहंकार को तोड़ना चाहिए।

उत्तर सं.6- B. कर्मातीत

अब तुम बच्चे जानते हो कि हम इस देह को भी छोड़ बाबा के साथ चले जायेंगे। *जब तुम कर्मातीत बन जायेंगे तब तुम्हारे में कोई भूत नहीं रहेगा।* देह-अभिमान का पहला नम्बर भूत है।

उत्तर सं.7- B. दलाल

दलाल को थोड़े ही याद किया जाता है। दलाल ने तो दलाली की, खलास। फिर साजन को सजनी याद करती है। ब्रह्मा भी हो गया दलाल। याद उस शिवबाबा को ही करना है। यह दलाल भी उनको ही याद करते हैं, इनकी महिमा नहीं।

उत्तर सं.8- D. विकारों में जाने से

बाबा हम आपके हो गये। आप हमारे बाप, टीचर, सतगुरू हो। बाप कहेंगे मैं भी तुमको स्वीकार करता हूँ, परन्तु याद रखना मेरी पत (इज्जत) नहीं गँवाना। *मेरा बनकर फिर विकार में नहीं जाना। विकार में गए तो फिर योग लग न सके।*

उत्तर सं.9- B. ईश्वरीय परिवार

बैलेन्स न होने के कारण बाप द्वारा हर कदम में जो दुआयें मिलती हैं वा आत्मिक स्नेह कारण परिवार द्वारा जो दुआयें मिलती हैं उससे वचिंत हो जाते हैं। *जैसे बाप से सम्बन्ध रखना आवश्यक है, ऐसे ईश्वरीय परिवार से सम्बन्ध रखना भी अति आवश्यक है।*

उत्तर सं.10- A. मनुष्य

“मीठे बच्चे - *मनुष्य मत पर तो तुम आधाकल्प चलते हो, अब मेरी श्रीमत पर चल पावन बनो तो पावन दुनिया के मालिक बन जायेंगे''*

उत्तर सं.11- C. उद्धार

बाप कहते हैं इन साधू सन्त, महात्मा, अजामिल जैसी पाप आत्माओं का भी *उद्धार* मैं आकर करता हूँ।

उत्तर सं.12- A. जिसका पुरानी दुनिया,पुराने संस्कार,पुरानी देह के प्रति कोई भी आकर्षण का रिश्ता नहीं

संगमयुग पर ब्राह्मणों को ब्राह्मण से फरिश्ता बनना है, *फरिश्ता अर्थात् जिसका पुरानी दुनिया, पुराने संस्कार, पुरानी देह के प्रति कोई भी आकर्षण का रिश्ता नहीं।* तीनों से मुक्त, इसलिए ड्रामा में पहले मुक्ति का वर्सा है फिर जीवनमुक्ति का।

उत्तर सं.13- B. यज्ञ की सेवा

“मीठे बच्चे - *जितना प्यार से यज्ञ की सेवा करो उतना कमाई है, सेवा करते-करते तुम बन्धनमुक्त हो जायेंगे, कमाई जमा हो जायेगी''*

उत्तर सं.14- C. अपने को सर्विस में बिजी रखो

अपने को सर्विस में बिजी रखो तो सदा खुशी रहेगी। कमाई होती रहेगी। सर्विस के समय आराम का ख्याल नहीं आना चाहिए। जितनी सर्विस मिले उतना खुश होना चाहिए।

उत्तर सं.15- C. मीठा बनना

ऑनेस्ट बन प्यार से सर्विस करो। *सर्विस के साथ-साथ मीठा भी बनना है।* कोई भी अवगुण तुम बच्चों में नहीं होना चाहिए। श्रीकृष्ण की महिमा गाई जाती है सर्वगुण सम्पन्न.... यहाँ हैं सबमें आसुरी गुण। कोई भी खामी न हो, ऐसा मीठा बनना है।

उत्तर सं.16- D. सुबह बाबा आकर खटिया हिलायेंगे

दिन में धन्धे आदि का बन्धन है। रात को तो कोई बंधन नहीं। *रात को बाबा की याद में सोयेंगे तो सुबह को बाबा आकर खटिया हिलायेंगे।* ऐसा भी बहुत अनुभव लिखते हैं। हिम्मते बच्चे मददे बाप तो है ही। अपने ऊपर बहुत अटेन्शन रखो।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (27) खण्ड -{54}

प्रश्न सं 1- न्यू वर्ल्ड में देहली का नाम क्या होगा ?

A- न्यू देहली

B- इंद्रप्रस्थ

C- परिस्तान

D- स्वर्ग

प्रश्न सं 2- पहले-पहले जो सतयुग में आते हैं उनको क्या कहते हैं ?

A- फर्स्ट नम्बर

B- विजयी

C- विकर्माजीत

D- विष्णु की माला

प्रश्न सं 3-आपने स्मृति में लाया "मेरा बाबा' तो भक्त आत्मा भी क्या सिमरण करती ?

A- मेरा भगवान

B- मेरे इष्टदेव

C- मेरे प्रभु

D- मेरे ईश्वर

प्रश्न सं 4- बापदादा सदैव कहते हैं सदा बच्चों के मुख में..... हो।जो कहा वह किया अर्थात् सदा ..... मुख में है ?

A- दिलखुश मिठाई

B- गुलाब

C- गुलाब जामुन

D- रसमलाई

प्रश्न सं 5- तुम हो ..... तुम्हें चलते-फिरते याद का अभ्यास करना है, एक बाप के सिमरण में रह नर से नारायण

बनने का पुरूषार्थ करो ?

A- राजयोगी

B- सहजयोगी

C- कर्मयोगी

D- महान योगी

प्रश्न सं 6- इस कलियुग में सदा जवान कौन रहता है ?

A- रावण

B- विकार

C- क्रोध

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 7- हाहाकार के समय पास होने के लिए कौन सा मुख्य गुण जरूर चाहिए ?

A- सहनशीलता का

B- निर्भयता का

C- धैर्यता का

D- त्रिकालदर्शी का

प्रश्न सं 8- सबसे बड़ा सौभाग्य कौन सा है ?

A- बाबा का मिलना

B- बाबा पढ़ाते हैं।

C- स्वर्ग में जाना

D- आदि मध्य अंत का ज्ञान होना

प्रश्न सं 9- धन इकट्ठा करने का लोभ नहीं करना, क्यों ?

A- सब विनाशी है।

B- समय कम है।

C- विनाश सामने खड़ा है।

D- काम नहीं आएगा।

प्रश्न सं 10- गीता की नॉलेज किसके पास है ?

A- सूर्यवंशी

B- चंद्र वंशी

C- मनुष्य

D- ब्राह्मण

प्रश्न सं 11- सबसे जास्ती पुरानी जुत्ती किसकी है ?

A- देवी- देवता धर्म वालों की

B- क्षत्रिय धर्म वालों की

C- वैश्य वर्ण वालों की

D- शूद्र वर्ण वालों की

प्रश्न सं 12- कौन सा ज्ञान राधे- कृष्ण और विष्णु के पास नहीं है ?

A- सृष्टि चक्र के फिरने का

B- झाड़ का ज्ञान

C- त्रिमूर्ति का

D- आदि- मध्य- अन्त का ज्ञान

प्रश्न सं 13- इस कलियुग में सब..... की जंजीरों में बंधे हुए, जीवन-बंध हैं, उन्हें जीवनमुक्त बनाना है ?

A- माया

B- विकारों

C- रावण

D- शैतान

प्रश्न सं 14- स्वयं को क्या समझकर हर कर्म करो तो महान और महिमा योग्य बन जायेंगे ?

A- आत्मा

B- निमित्त

C- मेहमान

D- महान

प्रश्न सं 15- योग अर्थात् बाप को याद करना। ज्ञान अर्थात् .....?

A- मुरली पढ़ना

B- विचार सागर मंथन करना

C- चक्र फिराना

D- आत्म अभिमानी बनना

प्रश्न सं 16- बाप का और अपना नाम बदनाम कौन करते हैं ?

A- जो पूरा बलि नहीं चढ़ते।

B- जो देह का भान नहीं छोड़ते।

C- जो एक दो के नाम रूप में लट्टू होते हैं।

D- जो काला मुँह करके छिपाते हैं।

भाग (27) खण्ड {54} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं.1- C. परिस्तान

जानते हैं आत्मा और शरीर दो चीजें हैं। परन्तु आत्मा कहाँ से आती है, उनका बाप कौन है, यह नहीं जानते। यह हैं नई बातें, न्यू वर्ल्ड के लिए। *न्यु देहली कहते हैं। परन्तु न्यु वर्ल्ड में इसका नाम देहली नहीं होता, उसे परिस्तान कहा जाता है।*

उत्तर सं.2- C. विकर्माजीत

तुम बच्चों को 5 हजार वर्ष के बाद फिर यह शिक्षा मिलती है कि अपने को आत्मा समझो, परमात्मा को याद करो, इस याद से ही विकर्म भस्म होंगे। अब तो विकर्माजीत बनना है। *पहले-पहले जो सतयुग में आते हैं उनको विकर्माजीत कहेंगे।*

उत्तर सं.3- B. मेरे इष्टदेव

आज तक भी अपना सिमरण भक्तों द्वारा सुन रहे हैं। *अपने स्मृति में लाया “मेरा बाबा" तो भक्त आत्मा भी यही सिमरण करती मेरा ईष्ट देव वा देवी।* जैसे आपने अति प्यार से दिल से बाप को याद किया, उतना ही भक्त आत्मायें आप ईष्ट आत्माओं को दिल से अति प्यार से याद करती हैं।

उत्तर सं.4- C. गुलाब जामुन

*बापदादा सदैव कहते हैं सदा बच्चों के मुख में गुलाब जामुन हो। जो कहा वह किया अर्थात् सदा गुलाबजामुन मुख

में है।* दुनिया वाले कहते मुख में गुलाब। लेकिन गुलाब से मुख मीठा नहीं होगा, इसलिए गुलाबजामुन मुख में हो तो सदा ही ऐसे मुस्कराते रहे।

उत्तर सं 5 - C. कर्मयोगी

"मीठे बच्चे - *तुम हो कर्मयोगी, तुम्हें चलते-फिरते याद का अभ्यास करना है, एक बाप के सिमरण में रह नर से नारायण बनने का पुरूषार्थ करो"*

उत्तर सं 6 - D. उपरोक्त सभी

यहाँ रावण (विकार) सदा जवान रहता है। मनुष्य भल बूढ़ा हो जाए लेकिन उसमें जो विकार हैं, क्रोध है वह कभी बूढ़ा नहीं होता। वह सदा जवान रहता है।

उत्तर सं 7 - C. धैर्यता का

धैर्यता का। लड़ाई के समय ही तुम्हारी प्रत्यक्षता होगी। जो मजबूत होंगे, वही पास हो सकेंगे, घबराने वाले

नापास हो जाते हैं। अन्त में तुम बच्चों का प्रभाव निकलेगा तब कहेंगे अहो प्रभु तेरी लीला...

उत्तर सं 8 - C. स्वर्ग में जाना

स्वर्ग में आना भी सबसे बड़ा सौभाग्य है। स्वर्ग के सुख तुम बच्चे ही देखते हो। वहाँ आदि-मध्य-अन्त दु:ख नहीं होता। यह बातें मनुष्यों की बुद्धि में मुश्किल ही बैठती हैं।

उत्तर सं 9 - C. विनाश सामने खडा है

विनाश सामने है इसलिए जास्ती धन इकट्ठा करने का लोभ नहीं करना है। ऊंच पद के लिए ईश्वरीय सेवा कर कमाई जमा करनी है

उत्तर सं 10 - D. ब्राह्मण

दुनिया में सब कहते हैं कृष्ण ने गीता गाई। यहाँ समझाया जाता है कृष्ण गीता गा न सके। जो मोर मुकुटधारी है, डबल सिरताज वा सिंगलताज *सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी वा

वैश्य, शूद्र वंशी, कोई भी गीता की नॉलेज को नहीं जानते।* वह नॉलेज भगवान ने ही सुनाए भारत को स्वर्ग बनाया था।

उत्तर सं 11 - A. देवी- देवता धर्म वालों की

तुम बच्चों की बुद्धि में यह रहना चाहिए कि शरीर पुरानी जुत्ती है, जिससे हम पढ़ रहे हैं। *देवी देवता धर्म वालों की सबसे जास्ती पुरानी जुत्ती है।* भारत शिवालय था, देवताओं का राज्य था। हीरे जवाहरों के महल थे। अब तो वेश्यालय में असुर विकारियों का राज्य है।

उत्तर सं 12 - A. सृष्टि चक्र के फिरने का

स्वदर्शन चक्र के अर्थ का भी किसको पता नहीं है। सिर्फ चक्र दे दिया है, मारने के लिए। उसे एक हिंसक हथियार बना दिया है। वास्तव में उनके पास न हिंसक चक्र है, न अहिंसक। *ज्ञान भी राधे कृष्ण या विष्णु के पास नहीं हैं। कौन सा ज्ञान? यह सृष्टि चक्र के फिरने का ज्ञान*। वह सिर्फ तुम्हारे में है।

उत्तर सं 13- C. रावण

"मीठे बच्चे - *इस कलियुग में सब रावण की जंजीरों में बंधे हुए, जीवन-बंध हैं, उन्हें जीवनमुक्त बनाना है"*

उत्तर सं 14- C. मेहमान

स्वयं को मेहमान समझकर हर कर्म करो तो महान और महिमा योग्य बन जायेंगे।

उत्तर सं 15 - C. चक्र फिराना

सारा मदार है पढाई पर। योग और ज्ञान, *योग अर्थात् बाप को याद करना। ज्ञान अर्थात् चक्र फिराना*। यह तो सहज है। बाप कहते हैं मेरे पास आना है इसलिए मुझे याद करो।

उत्तर सं 16 - C. जो एक दो के नाम पर लट्टू होते हैं

पूरा बलि चढ़ना माना - बुद्धि का योग एक तरफ रहे। बच्चे आदि कोई देहधारी याद न आयें। देह का भान टूट जाए। ऐसा जो पूरा बलि चढ़ते हैं उन्हें 21 जन्मों का वर्सा बाप से मिलता है। *जो एक दो के नाम रूप में लट्टू होते हैं वह बाप का और अपना नाम बदनाम करते हैं।*